Padma Bhushan

SHRI ANANT NAG

Shri Anant Nag is a veteran Kannada Film actor known for his versatility and contribution to Indian cinema over the past 5 decades.

2. Born on 4th September, 1948, Shri Anant spent the first 12 of his formative years at Anandashram, an Ashram in Kasargode district founded by Swami Ramdas and Mataji Krishna Bai, and at Shri Chitrapur Math in Shirali, where Swami Anandashram was the Mathadhipati. His parents devoted themselves to the service of these two revered Sanatana institutions, which upheld the ideals of Naam, Dhyaana, and Seva. These spiritual moorings had a profound impact on his life cementing his love for Sanatana religion, tradition and culture.

3. Shri Anant pursued his early education in Udupi, Chitrapur, Shirali and Honnavar in coastal Karnataka before moving to Bombay, where he completed his matriculation. Landing a vacation job during his college days, at the age of 18, he was selected to play the main role in a 3-act play on the life of Saint Chaitanya Mahaprabhu of Bengal by drama stalwarts, Writer Shri Prabhakar Mudur and director Shri Venkat Rao Talageri. His second assignment was on the life of Goutama, the Buddha. Third, was in the role of a youth, who has distinct remembrance and memories of his previous life. These three roles were the foundation on which he built his name as an actor. He went on to play over 50 diverse roles in as many plays over the next 5 years.

4. Encouraged by Y.N. Krishnamurthy, Girish Karnad, and G V Iyer, Shri Anant debuted in a lead role in his first Kannada feature film, Sankalp. Ankur was his first Hindi feature film. Over the years, he has portrayed variegated characters in over 300 films across Kannada, Hindi, Telugu, Malayalam, Tamil, and Marathi. Malgudi Days was another of his forays. Known for his natural performances and remarkable versatility, he has captivated audiences across languages, regions, and generations, solidifying his status as one of Indian cinema's conspicuous actors. His immense talent has been recognized with multiple accolades, including five Karnataka State Best Actor Awards and five Filmfare Awards. In 2023, he marked 50 years in cinema, celebrating a glorious Golden Jubilee in his career.

5. Beyond the realm of cinema, in the 3 decades spanning 1970s -1990s, Shri Anant served as a Member of the Karnataka Legislative Council from 1988 to 1994. He was Member of the Legislative Assembly from 1994-1999, whence he held office as Minister of State for Bangalore City Development.

6. Shri Anant has been awarded the Karnataka Rajyotsava Award, the Karnataka Sahitya Academy Award for a biographical book on his late brother, Karnataka State Lifetime Achievement Award and an Honorary Doctorate from Bangalore University (North).

श्री अनंत नाग

श्री अनंत नाग अनुभवी कन्नड़ फिल्म अभिनेता हैं जो पिछले पांच दशकों से अपनी बहुमुखी प्रतिभा और भारतीय सिनेमा में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।

2. 4 सितंबर, 1948 को जन्मे, श्री अनंत ने अपने जीवन के पहले 12 वर्ष स्वामी रामदास और माताजी कृष्णा बाई द्वारा कासरगोड जिले में स्थापित आनंदाश्रम नामक एक आश्रम और शिराली के श्री चित्रपुर मठ में बिताए, जहाँ स्वामी आनंदाश्रम मठाधिपति थे। उनके माता–पिता ने खुद को इन दो प्रतिष्ठित सनातन संस्थाओं की सेवा में समर्पित कर दिया था जिन्होंने नाम, ध्यान और सेवा के आदर्शों को कायम रखा था। इन आध्यात्मिक बंधनों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला और सनातन धर्म, परंपरा और संस्कृति के प्रति उनके प्रेम को सुदृढ़ बनाया।

3. श्री अनंत ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा तटीय कर्नाटक के उडुपी, चित्रपुर, शिराली और होन्नावर में प्राप्त की, उसके बाद वे बॉम्बे चले गए, जहाँ उन्होंने अपनी मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में छुट्टी के दौरान उन्हें काम मिला जब 18 वर्ष की आयु में, उन्हें दिग्गज नाटक कर्मी, लेखक श्री प्रभाकर मुदुर और निर्देशक श्री वेंकट राव तलगेरी द्वारा बंगाल के संत चैतन्य महाप्रभु के जीवन पर 3–अंकीय नाटक में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया। उनका दूसरा काम गौतम बुद्ध के जीवन पर था। तीसरी, एक ऐसे युवा की भूमिका थी, जिसके पास अपने पिछले जीवन की विविध यादें थी। ये तीन भूमिकाएँ वह नींव थीं जिस पर उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अगले 5 वर्षों में कई नाटकों में 50 से अधिक विविध भूमिकाएँ निभाईं।

4. वाई. एन. कृष्णमूर्ति, गिरीश कर्नाड और जी वी अय्यर के प्रोत्साहन से, श्री अनंत ने अपनी पहली कन्नड़ फीचर फिल्म संकल्प में मुख्य भूमिका निभाई। अंकुर उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म थी। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल और मराठी की 300 से अधिक फिल्मों में विविध किरदार निभाए हैं। मालगुडी डेज़ उनकी एक और कृति थी। अपने स्वाभाविक अभिनय और उल्लेखनीय बहुमुखी प्रतिभा के लिए विख्यात श्री अनंत ने विभिन्न भाषाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के दर्शकों को आकर्षित किया है, जिससे भारतीय सिनेमा के विशिष्ट अभिनेता के रूप में उनका स्थान मजबूत हुआ है। उनकी अपार प्रतिभा को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें पाँच कर्नाटक राज्य सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार और पाँच फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार शामिल हैं। वर्ष 2023 में, उन्होंने सिनेमा में 50 साल पूरे किए और अपने करियर की शानदार स्वर्ण जयंती मनाई।

5. सिनेमा के क्षेत्र से परे, 1970 से 1990 के तीन दशकों में, श्री अनंत ने वर्ष 1988 से 1994 तक कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया। वे 1994–1999 तक विधान सभा के सदस्य रहे, जहाँ उन्होंने बैंगलोर शहर विकास राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

6. श्री अनंत को कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, अपने दिवंगत भाई पर जीवनी पुस्तक के लिए कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार, कर्नाटक राज्य लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार और बैंगलोर विश्वविद्यालय (उत्तर) से मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।